सांध्य दैनिक 4PM

जब प्यार और नफरत दोनों ही ना हो तो हर चीज साफ और स्पष्ट हो जाती है।

–ओशो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 9 • अंकः 36 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, शनिवार, 11 मार्च, 2023

साहेब कष्ट दे सकते हैं, हौसले नही... 8 | ओल्ड पेंशन स्कीम बन सकता है... 3 | अब भाजपा सरकार से छुटकारा... 7

फिर निशाने पर विपक्ष अब तेजस्वी को बुलाया सीबीआई ने

» नहीं हुए पेश, पत्नी की तबियत बिगड़ी, अस्पताल में हुईं भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। विपक्षी नेताओं की पूछताछ के क्रम में इसबार सीबीआई ने बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी को समन देकर बुलाया है। हालांकि वह पत्नी की तबीयत खराब होने की वजह से पेश नहीं हो पाए। जमीन के बदले नौकरी मामले में भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे बिहार के उपमुख्यमंत्री और बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव अपनी पत्नी के स्वास्थ्य के कारण सीबीआई के सामने पेश नहीं होंगे। सूत्रों का कहना है कि शुक्रवार को ईडी के छापे के बाद उनकी पत्नी राजश्री यादव की तबीयत बिगड़ी गई थी, जिसके बाद उन्हें दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। राजश्री यादव गर्भवती हैं।

पूछताछ के बाद ब्लड प्रेशर की समस्या के कारण वे बेहोश हो गईं। शुक्रवार को लालू यादव के बेटे-बेटियों समेत अन्य करीबियों के घर पर ईडी की छापेमारी के बाद सीबीआई ने बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को तलब किया था। सीबीआई के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि तेजस्वी यादव को दूसरी बार पूछताछ के लिए बुलाया गया है। इससे पहले 4 फरवरी को तेजस्वी यादव को सीबीआई ने इस मामले में समन जारी किया था। हालांकि, तब भी वह सीबीआई के सामने पेश नहीं हुए, जिसके बाद शनिवार को नई तारीख दी गई।

ज्ञात हो कि यह मामला, लालू प्रसाद के 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री रहते उनके परिवार को तोहफे में भूखंड मिलने या इसे काफी कम कीमत पर उन्हें बेचने के बदले रेलवे में नौकरी दिए जाने से अधिकारियों ने बताया, यह कार्रवाई पटना, फुलवारीशरीफ, दिल्ली-एनसीआर, रांची व मुंबई में बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद की बेटियों रागिनी यादव, चंद्रा यादव, हेमा यादव और राजद के पूर्व विधायक अबू दोजाना से जुड़े परिसरों पर की गई। इससे पहले उनकी मां राबड़ी देवी व पिता लालू प्रसाद यादव से ईडी ने भी पुछताछ की थी। उधर राजद ने रेड को मोदी सरकार की तानाशाही बताया है।

24 ठिकानों पर सुबह से रात तक चली छापेमारी

ईडी लालू यादव और उनके रिश्तेदारों के दिल्ली, एनसीआर, पटना, रांची और मुंबई में कुल 24 ठिकानों पर एक साथ छापामारी के लिए पहुंची। ये रागिणी यादव, चंदा यादव, हेमा यादव, नवदीप सरदाना, प्रवीण जैन, सैयद अबु दोजाना, एके इन्फोसिस्टम, ब्रह्मा सिटी प्राइवेट लिमिटेड, एलिट लैंडबेस, ह्वाइटलैंड कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड और मेरिडियन कंस्ट्रक्शन से संबंधित हैं। ईडी ने 53 लाख नकद, 1,900 डालर, 540 ग्राम सोने के बिस्किट, 1.5 किलो सोने के गहने और अहम दस्तावेज बरामद होने का दावा किया है। सुबह से शुरू हुई यह कार्रवाई देर रात तक जारी रही।

ईडी की रेड के दौरान मौजूद थे तेजस्वी

शुक्रवार को ईडी की छापेमारी के दौरान तेजस्वी यादव दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कालोनी स्थित अपने मकान पर मौजूद थे। ईडी का दावा है कि लैंड फॉर जॉब स्कैम केस में उनके खिलाफ सबूत और डॉक्यूमेंट्स मिले हैं।

हम साथ आते हैं तो रेड शुरू हो जाती : नीतीश

लैंड फॉर जॉब्स केस में बिहार के सीएम नीतीश ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा है कि जब हम साथ आते हैं तो रेड शुरू हो जाती है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि 2017 में भी रेड हुई थी, उसके बाद हम अलग हो गए। 5 साल बीत गए और अब हम एक साथ आ गए हैं तो फिर से रेड हो रही है। इस पर अब मैं क्या बोल सकता हूं। वहीं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह भी लालू और उनके परिवार के समर्थन में उतर आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि नौकरी के बदले जमीन मामले में सीबीआई दो बार जांच कर साक्ष्य नहीं जुटा पाई। लेकिन 9 अगस्त 2022 के बाद अचानक दिव्यशक्ति से उनको साक्ष्य मिलने लग गया और लालू प्रसाद और उनके परिजनों के यहां भारी छापेमारी हुई। खोदा पहाड़ निकली चुहिया।

लालू परिवार को बचाने में लगे हैं सीएम : सुशीलमोदी

इधर, भाजपा के राज्यसभा सांसद और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार चारा घोटाला से लेकर जमीन के बदले नौकरी घोटाला में सनलिप्त लालू परिवार को बचाने में लगे हुए हैं। 2008 में लालू प्रसाद के विरुद्ध भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए शरद यादव और ललन सिंह ने ही पहल की थी। इनलोगों ने ही सारे दस्तावेज सीबीआई को उपलब्ध कराए थे और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को ज्ञापन भी दिया था। आज यही लोग लालू प्रसाद पर कार्रवाई रोकने के लिए प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिख रहे हैं।

उत्तर के बाद दक्षिण भारत की ओर पहुंचा छापे का जिन्न

» केसीआर की बेटी के. कविता की ईडी में पेशी
» सियासत गरमाई, भाजपा सरकार को बताया निरंकुश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर भारत के नेताओं पर रेड के बाद ईडी अब दक्षिण के नेताओं की ओर भी रुख कर गई है। शनिवार को तेलंगाना के सीएम केसीआर की बेटी और पार्टी एमएलसी के कविता ईडी के दफ्तर पेशी के लिए पहुंची। कविता से ईडी शराब घोटाले में पूछताछ करेगी। दिल्ली शराब नीति मामले में दिल्ली से लेकर तेलंगाना तक ईडी और सीबीआई का शिकंजा कसता जा रहा है।

पूछताछ व जांच के बाद ही पता चलेगा की आरोपों में कितनी सच्चाई है परंतु केंद्रीय एजेंसियों के ताबड़तोड़ छोपमारी से सारे देश का सियासी माहौल गरमा गया है। राजनैतिक गलियारों में चर्चा होने लगी है 2024 लोक सभा चुनाव से पहले ऐसे छापे और मारे जाते रहेंगे। ईडी द्वारा पूछताछ के लिए समन जारी किए जाने के कुछ घंटे बाद कविता आठ मार्च को राष्ट्रीय राजधानी पहुंची थीं। वहीं, उनके भाई और बीआरएस नेता के टी रामाराव भी राजधानी में अपने पिता के आवास पर पहुंचे।

रामचंद्र पिल्लई से होगा आमना सामना

सूत्रों के मुताबिक, कविता को हैदराबाद के व्यवसायी अरुण रामचंद्र पिल्लई के साथ आमने-सामने बिठाया जाएगा, जिन्हें सोमवार रात शराब नीति मामले में गिरफ्तार किया गया था।

केंद्र सरकार डराने का काम कर रही है : के. कविता

कविता ने एक ट्वीट में कहा,मैं केंद्र में सत्ताधारी पार्टी को यह बताना चाहूंगी कि हमारे नेता, सीएम केसीआर की आवाज हमेशा बुलंद रहेगी और पूरी बीआरएस पार्टी के खिलाफ डराने-धमकाने की ये रणनीति हमें नहीं रोक पाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी केंद्र की विफलताओं से लड़ना और उजागर करना जारी रखेगी और भारत के उज्जवल और बेहतर भविष्य के लिए आवाज उठाएगी।

बीआरएस कार्यकर्ताओं का जोरदार प्रदर्शन

पेशी से पहले ही आज बीआरएस कार्यकर्ता तेलंगाना के सीएम और पार्टी प्रमुख के चंद्रशेखर राव के दिल्ली आवास के बाहर ईडी की कार्रवाई का विरोध करने को जुट गए। कार्यकर्ताओं ने ईडी की कार्रवाई को भाजपा की साजिश करार दिया। इससे पहले शुक्रवार को कविता ने संसद के मौजूदा बजट सत्र में महिला आरक्षण विधेयक पेश करने की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल शुरू की।

माधवराव सिंधिया की जयंती मनाना चुनावी इवेंट : कांग्रेस

» जन्म दिन पर सियासत : भाजपा ने भी कांग्रेस को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। मप्र में स्वर्गीय माधवराव सिंधिया के जन्मदिन को लेकर भाजपा व कांग्रेस आमने-सामने आ गई हैं। जहां भाजपा व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने पिता की जन्मदिवस धूमधाम से मनाया वहीं कांग्रेस इसे आगामी विधानसभा का सिंधिया का इवेंट बता रही है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि ये सब अपने आप को टिकट नेता साबित करने के लिए यह सब कुछ कर रहे हैं।

कांग्रेस के कद्दावर नेता और ग्वालियर चंबल-अंचल के विकास पुरुष यानी स्वर्गीय माधवराव सिंधिया का नाम आज भी बड़ी सम्मान के साथ लेती है। लेकिन अब कांग्रेस पार्टी स्वर्गीय माता राम सिंधिया के नाम से किनारा करने लगी है और इसका कारण है उनके बेटे ज्योतिरादित्य सिंधिया जब से कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आए हैं तो उसके बाद अपने पिता की पुण्यतिथि और जयंती को भव्य तरीके से मनाने लगे हैं। माधवराव की जयंती पर कांग्रेस को आयोजन करना था, उसके बदले पूरी बीजेपी एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित कर रही है। ऐसा लग रहा है माधवराव अब धीरे-धीरे बीजेपी के होने लगे हैं। स्व. माधवराव की जयंती पर उनके बेटे ने एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया।

पार्टी में रुतबा बरकरार रखने की मंशा

दरअसल आगामी मध्यप्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने है ऐसे में केंद्रीय मंत्री अपने आप को मजबूत करने की स्थिति में लगे हैं। ज्योतिरादित्य चाहते हैं कि आगामी विधानसभा चुनाव में भी उनका रुतबा बरकरार रहे और अपने समर्थकों को जिताने के लिए लगातार अंचल में शक्ति प्रदर्शन करने में लगे हैं। ग्वालियर चंबल अंचल में उनकी एक बहुत बड़ी फौज है और वह इस अंचल के सर्वमान्य नेता है। यही कारण है कि वह इस समय ग्वालियर में सबसे ज्यादा दौरे करने में लगे हुए हैं और दौरे के दौरान उनके समर्थक मंत्री और पूरा प्रशासन उनके साथ चलता है। सिंधिया ग्वालियर में कोई मौका नही छोड़ रहे हैं और कोई न कोई बहाने बड़ा आयोजन कर रहे हैं, जिसमें सरकार तक बुला रहे है। इसका दूसरा कारण यह भी है कि सिंधिया आगामी लोकसभा का चुनाव ग्वालियर लोकसभा से चुनाव लड़ने का मन बना चुके हैं।

आरोपों की जांच करने गए विपक्षी सांसदों पर हमला

» त्रिपुरा में चुनाव के बाद हुआ था उपद्रव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। त्रिपुरा में जांच करने गई टीम पर हमले से राज्य की राजनीति गरमा गई है। विपक्ष ने इसे तानाशाही करार दिया है। जबकि सत्ता पक्ष इससे किनारा कर रहा है। कांग्रेस और लेफ्ट पार्टी की तरफ से आरोप लगाया गया है कि राज्य में चुनाव के बाद हुई कथित हिंसा के आरोपों की जांच करने के लिए जो सांसदों का दल दो दिवसीय यात्रा पर गया था, उस पर हमले हुए हैं। इतना ही नहीं उपद्रवियों ने नेताओं की कार में भी तोड़फोड़ की। लेफ्ट ने अपने बयान में कहा है कि कांग्रेस और सीपीआई (एम) के जो सांसद इस टीम में शामिल थे, उन्हें बवाल के तुरंत बाद ही घटनास्थल से भागकर हमले से जान बचानी पड़ी।

रिपोर्ट्स में कहा गया है कि यह सांसद त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले के बिशालगढ़ गए थे, जहां से चुनाव के ठीक बाद हिंसा की खबरें सामने आई थीं। यहीं पर कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया और तीन वाहनों में तोड़फोड़ की। बोली पुलिस -अगरतला पुलिस ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि सिपाहीजाला जिले में उन पर भी हमला किया गया। इसके बाद राज्य का राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इस बीच, माकपा ने कहा है कि संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के दौरे को फिलहाल स्थगित करने का फैसला किया गया है। सहायक महानिरीक्षक (एआईजी) ज्योतिष्मान दास चौधरी ने बताया कि हमले में सभी सांसद सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है।

आरएसएस और भाजपा के सामने नहीं टेकूंगा घुटने : लालू यादव

» बोले- हमने आपातकाल का काला दौर भी देखा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लैंड फॉर जॉब स्कैम से जुड़े मनी लांड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की लालू यादव के घर और संबंधियों पर छापेमारी को राष्ट्रीय जनता दल ने चुनौती के रूप में लिया है।

लालू यादव ने इस मामले पर ट्वीट किया और लिखा हमने आपातकाल का काला दौर भी देखा है, हमने वह लड़ाई भी लड़ी थी, आधारहीन प्रतिशोधात्मक मामलों में आज मेरी बेटियों, नन्हें-मुन्ने नातियों और गर्भवती पुत्रवधु को भाजपाई ईडी ने 15 घंटों से बैठा रखा है. क्या इतने निम्नस्तर पर उतर कर बीजेपी हमसे राजनीतिक लड़ाई लड़ेगी? संघ और भाजपा के विरुद्ध मेरी वैचारिक लड़ाई रही है और रहेगी, इनके समक्ष मैंने कभी भी घुटने नहीं टेके हैं और मेरे परिवार एवं पार्टी का कोई भी व्यक्ति आपकी राजनीति के समक्ष नतमस्तक नहीं होगा। हमने आपातकाल का काला दौर भी देखा है। हमने वह लड़ाई भी लड़ी थी।

आधारहीन प्रतिशोधात्मक मामलों में आज मेरी बेटियों, नन्हें-मुन्ने नातियों और गर्भवती पुत्रवधु को भाजपाई श्वष्ठ ने 15 घंटों से बैठा रखा है। क्या इतने निम्नस्तर पर उतर कर बीजेपी हमसे राजनीतिक लड़ाई लड़ेंगी?

राज्य में संपत्ति कर लगाना अनुचित : फारूक

» जम्मू-कश्मीर में सर्वदलीय बैठक आज, करेंगे चर्चा

» पीडीपी प्रमुख की जगह, पार्टी उपाध्यक्ष होंगे बैठक में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला की ओर से शनिवार 11 मार्च को जम्मू में सर्वदलीय बैठक बुलाई गई इस बैठक में भाजपा को छोड़कर सभी दलों को आमंत्रित किया गया है। हालांकि इसमें पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती हिस्सा नहीं लेंगी। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक ने कहा कि बैठक में जम्मू-कश्मीर में लगाए जा रहे संपत्ति कर से लेकर हर मुद्दे पर चर्चा करेंगे।

जम्मू-कश्मीर में जो स्थिति बनी हुई है, इस पर बैठकर बातचीत होगी। डॉ. फारूक ने कहा, ऑल पार्टी मीटिंग उनके जाने से पहले ही तय की गई थी। इस बीच जेकेएसएसबी और एप्टेक के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर कहा कि इस पर भी बातचीत की जाएगी, जो भी बहस के बाद निर्णय लिया जाएगा वह आपके सामने लाएंगे। नेकां प्रमुख ने कहा कि बैठक के लिए सभी दलों को इसमें शामिल होने का न्योता दिया है। हालांकि इसमें भाजपा को नहीं बुलाया गया है। डॉ. फारूक अब्दुल्ला उमराह कर कश्मीर लौटने के बाद शुक्रवार को जुमे की नमाज पढ़ने श्रीनगर के हजरतबल स्थित दरगाह पहुंचे। फारूक ने कहा कि उन्होंने उमराह के दौरान काबा में अल्लाह से हम सबकी मुश्किलें आसान करने और अमन-शांति की दुआ मांगी। सर्वदलीय बैठक में पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की जगह पार्टी के उपाध्यक्ष चौधरी हमीद को बैठक में हिस्सा लेने के लिए अधिकृत किया गया है। पीडीपी सूत्रों के अनुसार पार्टी अध्यक्ष वैसे तो जम्मू में 11 मार्च को पहुंच रही हैं, लेकिन सर्वदलीय बैठक तीन बजे है और महबूबा मुफ्ती जम्मू में शाम पांच बजे के करीब पहुंचेंगी। ऐसे में वह बैठक में खुद हिस्सा नहीं लेंगी।

चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री का बंद का आह्वान

चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री ने शनिवार को जम्मू बंद का आह्वान किया है। सरकार की ओर से संपत्ति कर लगाए जाने के विरोध में बंद बुलाया गया है। ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने बंद का समर्थन न करते हुए सभी वाहन तथा मेटाडोर सुचारु रूप से चलते रहने की घोषणा की है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने कहा है कि अधिवक्ता बुनियादी ढांचे को मजबूत करने समेत विभिन्न मांगों के संबंध में कामकाज से विरत रहेंगे।

कर्नाटक चुनाव से पहले भाजपा को बड़ा झटका!

मंत्री वी सोमन्ना कांग्रेस में हो सकते हैं शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। विधानसभा चुनाव से पहले कर्नाटक के आवास मंत्री वी सोमन्ना ने पार्टी की चुनाव प्रबंधन समिति में अपना नाम शामिल नहीं किए जाने के बाद भाजपा छोड़ने के संकेत दिए हैं। बताया जा रहा है कि सोमन्ना भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, पार्टी को शर्मिंदगी से बचाने के लिए सत्ता पक्ष ने सोमन्ना को अपनी चुनाव प्रबंधन समिति में शामिल नहीं करने का फैसला किया है।

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा भाजपा की पहली जन संकल्प रथ यात्रा निकाली गई थी। इस यात्रा में भी मंत्री सोमन्ना शामिल नहीं हुए थे। सोमन्ना ने कहा, मैं ठहरा हुआ जल नहीं हूं। मैं बहता पानी हूं। क्षेत्र की जनता ने मुझे अपने बेटे के रूप में देखा है। मैंने किसी के बारे में एक शब्द नहीं बोला है। मैंने प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री से कुछ मुद्दों पर बात की। मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोगों ने मुझे अपना बेटा माना है। मैं अभी 72 साल का हूं, मेरे पास अब करने के लिए कुछ नहीं है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

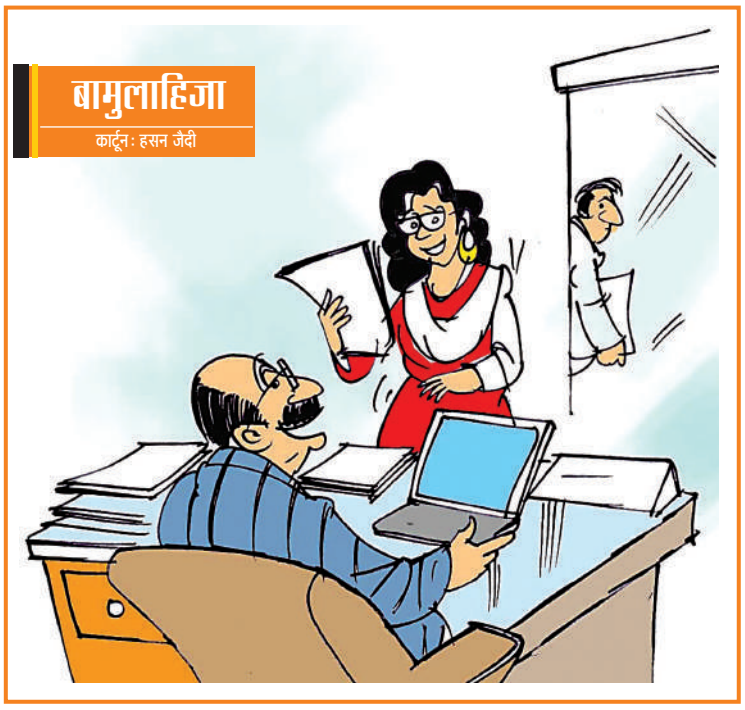

ओल्ड पेंशन स्कीम बन सकता है चुनावी दांव

» कर्मचारियों के वोटों पर सबकी है नजर
» बीजेपी सरकार लागू कर सकती है योजना
» कांग्रेस, टीएमसी, झामुओ व आप का पुराना मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे 2024 लोक सभा चुनाव नजदीक आते जाएंगे राजनैतिक पार्टियों के वादे के पिटारे खुलते जाएंगे। जिस राज्य जिस पार्टी की सरकार होगी वह अपने मतदाताओं को प्रसन्न व अपनी ओर जोड़ने का कोई मौका नही छोड़ना चाहेगी। विपक्ष की कुछ पार्टियों जैसे आप, टीएमसी, झामुओ व कांग्रेस ने वोटों के लिहाज से बहुत बड़े वर्ग सरकारी कर्मचारियों को अपने पाले में बनाए रखने के लिए पुरानी पेंशन योजना को बहाल कर चुकीं हैं। इसका फायदा कांग्रेस ने हाल की चुनावों में उठाया भी।

हिमाचल प्रदेश में सरकार बनने में इस योजना के लागू करने के वादे का बहुत बड़ा हाथ हैं। अब लगता है केंद्र की भाजपा सरकार भांप गई है कि इस योजना को नजरअंदाज करना उसे कहीं आगामी चुनाव में भारी न पड़ जाए इसलिए मोदी सरकार कुछ शर्तों के साथ इस योजना को लागू करने का विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार केंद्र की मोदी सरकार केंद्रीय कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना यानी ओल्ड पेंशन स्कीम का लाभ देने जा रही है। वाकई अगर यह योजना आ गई तो भाजपा को चुनावों में लाभ मिल सकता है। हालांकि, ओल्ड पेंशन स्कीम का लाभ सभी कर्मचारियों को नहीं मिलने वाला है, क्योंकि सरकार की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, कुछ चुनिंदा कर्मचारियों को ही ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) चुनने का मौका दिया जा रहा है।

2003 से पहले विज्ञापित या अधिसूचित पदों को मिलेगा लाभ

ऐसे में केंद्रीय कर्मचारियों के मन में यह सवाल है कि वे पुरानी पेंशन के तहत मिलने वाले लाभ के लिए पात्र हैं या नहीं। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली यानी एनपीएस को अधिसूचित किये जाने की तारीख 22 दिसंबर, 2003 से पहले विज्ञापित या अधिसूचित पदों के तहत केंद्र सरकार की सेवाओं में शामिल होने वाले कर्मचारी केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 (अब 2021) के तहत पुरानी पेंशन योजना में शामिल होने के पात्र हैं, इसे आसान शब्दों में समझें तो यदि कोई कर्मचारी 22 दिसंबर 2003 के पहले निकली भर्ती के जरिये सरकारी नौकरी में शामिल हुआ है तो उसे पुरानी पेंशन का लाभ मिलेगा। वहीं, जिन कर्मचारियों को 22 दिसंबर 2003 के बाद निकली भर्ती के जरिए नौकरी मिली है उन्हें पुरानी पेंशन का लाभ नहीं मिलेगा। उन्हें नेशनल पेंशन स्कीम के तहत पेंशन कवर दिया जाएगा। जो सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना चुनने के पात्र हैं वह 31 अगस्त, 2023 तक इस विकल्प का उपयोग कर सकते हैं। इसके साथ ही सरकार ने यह भी बताया है कि यदि योग्य कर्मचारी 31 अगस्त, 2023 तक पुरानी पेंशन योजना का विकल्प नहीं चुनते हैं तो उन्हें नई पेंशन योजना के तहत पेंशन दिया जाएगा। वहीं, अगर कोई कर्मचारी नई पेंशन योजना से पुरानी पेंशन योजना में जाने क विकल्प चुन लेते हैं तो वह अंतिम विकल्प माना लिया जाएगा। इसका मतलब है कि वह फिर नई पेंशन योजना में स्विच नहीं कर पाएगें। आपको बता दें कि पुरानी पेंशन योजना यानी ओल्ड पेंशन स्कीम के तहत सरकार साल 2004 से पहले कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद एक निश्चित पेंशन देती थी। यह पेंशन कर्मचारी के रिटायरमेंट के समय उनके वेतन पर आधारित होती थी, इस स्कीम में रिटायर हुए कर्मचारी की मौत के बाद उनके परिजनों को भी पेंशन का लाभ दिया जाता था, हालांकि, केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल 2004 को पुरानी पेंशन योजना को बंद करने का फैसला किया था। जिसके बाद साल 2004 में पुरानी पेशन योजना के बदले राष्ट्रीय पेंशन योजना शुरू की गई थी। केंद्रीय कर्मचारी पुरानी पेंशन को लागू करने की मांग कर रहे थे, उनका मामना है कि नई पेंशन स्कीम में पुरानी पेंशन स्कीम की अपेक्षा कम सुविधाएं एवं लाभ मिलते हैं, इसके साथ ही केंद्रीय कर्मचारियों के अनुसार, नई पेंशन स्कीम में उनको कुछ समस्याओं का सामना भी करना पड़ रह था।

अगले लोस चुनाव पर पड़ेगा 'आप' का छाप

» मंत्रियों के इस्तीफे का केजरी-दांव
» भाजपा-कांग्रेस को मिलेगी तगड़ी चुनौती
» आप ने कहा- राजनीतिक दुराग्रह से प्रेरित कार्रवाई हो रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2012 में व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन से उपजी आम आदमी पार्टी (आप) जिस मकसद से बनी थी उस पर कायम रही। उसी का लाभ उसे मिला की 11 साल पर बाद वह राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने में सफलता हासिल कर सकी। आज दिल्ली व पंजाब में उसकी सरकार है। साथ ही कई राज्यों उसका खाता खुला। दिल्ली के नगर निगम में उसको लाभ मिला और वहां पर उसका मेयर भी बना। हालांकि आप सरकार के काम जनता में लोकप्रिय हैं। परंतु जैसे-जैसे आप बढ़ रही उसकी मुश्किलें भी बढ़ रही।

ये मुश्किलें सियासी तौर पर उसको झेलनी पड़ रही है। जैसे अभी हाल में आप के नंबर दो के नेता मनीष सिसोदिया सीबीआई व ईडी के छापेमारी में कोर्ट व जेल के चक्कर काट रहे हैं। आगामी 2024 में आप इस मुद्दे को जोर-शोर उठाने की सोच रही है। वहीं भाजपा व कांग्रेस भी आप को घेरने की योजना बना रही है। अन्य बहुत सी विपक्षी पार्टियां आप के साथ खड़ी है। ज्ञात हो आबकारी घोटाले में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी नि:संदेह, आप को असहज स्थिति में डालने वाली ही है। भले ही आप का शीर्ष नेतृत्व और कार्यकर्ता इसे राजनीतिक दुराग्रह से प्रेरित कार्रवाई बता रहे हों, लेकिन सवाल यह भी है कि कभी भ्रष्टाचार के खिलाफ उम्मीद बनकर उभरी पार्टी के मंत्री व नेता गाहे-बगाहे भ्रष्टाचार के आरोपों में क्यों घिरते नजर आ रहे हैं। पंजाब की आप सरकार के सामने भी ऐसे कई मामले उजागर हुए हैं। हालांकि, कोर्ट से राहत न मिलने के बाद सिसोदिया और मनी लॉड्रिंग मामले में गिरफ्तार सत्येंद्र जैन के इस्तीफों के गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं,लेकिन लगता नहीं कि आप का यह संकट जल्दी ही खत्म होने जा रहा है। इसकी वजह यह भी है कि कोर्ट से राहत न मिलने के बाद मनीष सिसोदिया को सीबीआई रिमांड पर भेजा गया है। नि:संदेह, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोपों से इतर एक तथ्य यह भी है कि दिल्ली की आप सरकार की नयी आबकारी नीति की खामियों पर सरकार के मुख्य सचिव की रिपोर्ट पर ही दिल्ली के उपराज्यपाल ने मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि आप सरकार गलत नहीं थी तो उसने अपनी नयी आबकारी नीति वापस क्यों ली? दरअसल, इस नीति में शराब की बिक्री में सरकार की भूमिका खत्म करके जिस तरह शराब व्यापारियों को सौंपा गया, उसने कई सवालों को जन्म दिया। आरोप लगा कि मुट्ठीभर शराब कारोबारियों को फायदा पहुंचाने की कोशिश की गई।

कार्यकर्ता मजबूती से खड़े

लेकिन एक बात तय है कि जिस मजबूती से आम आदमी पार्टी का नेतृत्व व कार्यकर्ता मनीष सिसोदिया के समर्थन में खड़े हुए है, उसका मकसद इस मुद्दे के भरपूर राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। केवल दिल्ली ही नहीं बल्कि चंडीगढ़, हरियाणा व पंजाब आदि में भी आप के समर्थकों ने सिसोदिया की गिरफ्तारी के खिलाफ आंदोलन किये हैं। कहीं न कहीं आप सिसोदिया को राजनीतिक दुराग्रह से पीड़ित दिखाने का प्रयास कर रही है। बहरहाल, सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के इस्तीफे के बाद अब राजनीतिक माहौल के और तल्ख होने के आसार हैं। सवाल यह भी है कि अब केजरीवाल दिल्ली सरकार कैसे चलाएंगे क्योंकि सिसोदिया के पास शिक्षा व वित्त समेत 18 विभाग रहे हैं। हालांकि सिसोदिया व सत्येंद्र जैन के इस्तीफे के बाद सौरभ भारद्वाज व आतिशी को मंत्री बनाया है। सौरभ, सत्येंद्र जैन व सिसोदिया के विभागों की जिम्मेदारी आतिशी संभालेंगे।

कौन होगा सिसोदिया के कद का नेता

तैंतीस में से 18 विभाग देखने वाले सिसोदिया के आप सरकार में राजनीतिक कद का अनुमान लगाया जा सकता है। इतना ही नहीं यदि सिसोदिया को लंबे समय जेल में रहना पड़ता है तो अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों में आप की सक्रियता पर बुरा असर पड़ेगा। वहीं यदि सीबीआई शराब घोटाले में सिसोदिया के खिलाफ पुख्ता सबूत जुटा लेती है तो आप सरकार की मुसीबतें और बढ़ जाएंगी। दूसरी ओर पार्टी स्तर पर यदि केजरीवाल अन्य राज्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे तो उसकी एक वजह यह भी कि सिसोदिया राजकाज को बढ़िया ढंग से संभाले हुए थे। खासकर शिक्षा मंत्री की भूमिका में सिसोदिया की तारीफ भी होती रही है। वहीं विपक्षी दल व राजनीतिक पंडित कहते हैं कि यदि आप खुद को राजनीतिक दुराग्रह से पीड़ित दर्शा पाती है तो उसे इसका राजनीतिक लाभ मिलेगा। लेकिन यदि आबकारी मामले में गिरफ्तार लोगों के बीच सिसोदिया की संलिप्तता साबित होती है तो भाजपा इसका राजनीतिक लाभ उठा सकती है। बहरहाल, फिलहाल केजरीवाल सरकार की बड़ी चिंता हो सकती है कि वर्ष 2015 से दिल्ली सरकार का बजट पेश करने वाले सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद इस बार दिल्ली सरकार का बजट कौन पेश करेगा। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल केंद्र सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों को विरोधियों के खिलाफ हथियार के रूप इस्तेमाल करने का आरोप लगा रहे हैं। वे सवाल उठा रहे हैं कि अडाणी और किसी बीजेपी नेता के खिलाफ जांच एजेंसियां क्यों कार्रवाई नहीं करती हैं। वहीं कुछ नेता आप सरकार के मुद्दे पर सामूहिक लड़ाई की बात भी कर रहे हैं क्योंकि अकेले केजरीवाल सशक्त केंद्र का मुकाबला करने की स्थिति में नहीं हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

देशों ने जानी भारत की सांस्कृतिक विरासत

भारत ने अमेरिकी विदेशमंत्री से बातचीत में आर्थिक व सामरिक मसलों को विस्तार दिया। इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध, हिंद प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियों व सामरिक महत्व की चर्चा विदेश मंत्री जयशंकर व बिल्कंन के बीच हुई। मानवाधिकारों व अन्य मुद्दों पर भारत को घेरने की कोशिशों को नकार कर अमेरिका ने अहसास कराया कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र व आर्थिक शक्ति के रूप में उभरते भारत के हितों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

भारत में हाल ही जी-20 देशों की बैठक से जहां देश का सम्मान बढ़ा वहीं इन देशों को हमारी मेहमान नवाजी का नजारा भी देखने को मिला। हालांकि इस बैठक का लाभ कितना मिला या मिलेगा ये आने वाला वक्त बताएगा। वहीं दूसरी ओर जी-20 सम्मेलन में भले ही गतिरोध के चलते यूक्रेन मुद्दे पर साझा बयान की कोशिश सिरे न चढ़ पायी हो, लेकिन दुनिया के देश भारत आकर यहां की सांस्कृतिक विविधता और जनजीवन से रूबरू जरूर हुए। संवाद के लिये बेहतर मंच मिला। हालांकि, यूक्रन इस बैठक से बहुत उम्मीद लगाये हुए था लेकिन पश्चिमी देशों के चलते ऐसी संभावना नहीं बनी। फिर भी अमेरिका व रूस के विदेश मंत्रियों का एक मंच पर आना महत्वपूर्ण जरूर कहा जा सकता है। भारत ने स्पष्ट किया कि दूसरे विश्वयुद्ध के बाद दुनिया में शांति व विकास के लिये जो ढांचा बना था, वह कारगर सिद्ध नहीं हो पाया है। कहा जा सकता है कि इस सम्मेलन के दौरान कई देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ताएं सार्थक रही।

भारत ने अमेरिकी विदेशमंत्री से बातचीत में आर्थिक व सामरिक मसलों को विस्तार दिया। इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध, हिंद प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियों व सामरिक महत्व की चर्चा विदेश मंत्री जयशंकर व बिल्कंन के बीच हुई। मानवाधिकारों व अन्य मुद्दों पर भारत को घेरने की कोशिशों को नकार कर अमेरिका ने अहसास कराया कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र व आर्थिक शक्ति के रूप में उभरते भारत के हितों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अमेरिका ने भारत को एक बड़े आर्थिक व सामरिक सहयोगी के रूप में स्वीकारा है। अमेरिका व रूस को एक मंच पर साधना भारत की बड़ी कूटनीतिक कामयाबी ही कही जाएगी। जी-20 का मकसद जलवायु परिवर्तन, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, खेती, खाद्य सुरक्षा, पोषण, भ्रष्टाचार, प्रवास, आतंकवाद व नशीले पदार्थों की तस्करी जैसे मुद्दों के समाधान की कोशिश करना रहा है। इन संगठनों की बैठकें लगातार चल रही हैं। जी-20 के विभिन्न संगठनों से जुड़े विदेशी प्रतिनिधि लगातार भारत आ रहे हैं। बैठकों के बाद उनके भ्रमण कार्यक्रम व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी से उन्हें भारत की समृद्ध विरासत से रूबरू होने का मौका मिल रहा है। वे ताजमहल समेत तमाम पुरातात्विक महत्व के स्थलों, पर्यटनस्थलों तथा वैश्विक धरोहरों का अवलोकन कर रहे हैं। खासकर विदेशी मेहमानों ने मिलेट्स व उनसे बने व्यंजनों में गंभीर रुचि दिखायी। हरियाणा के लिये अपनी संस्कृति, खानपान और परंपरागत साधनों से विदेशी मेहमानों को अवगत कराने का यह सुनहरा अवसर भी था। निस्संदेह, जी-20 सम्मेलन के कार्यक्रमों के जरिये भारत दुनिया से गहरे तक जुड़ रहा है। आने वाले समय ऐसी बैठकें और हो सकती है जिससे भारत का वर्चस्व और बढ़ेगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बड़ी लकीर खींचने की हो राजनीति

विश्वनाथ सचदेव

महाभारत में एक प्रसंग आता है। पांडव वनवास भोग रहे थे और तभी गंधर्वों ने धृतराष्ट्र-पुत्र दुर्योधन को बंदी बना लिया। तब युधिष्ठिर में अपने छोटे भाई अर्जुन से कहा था कि वह दुर्योधन की सहायता के लिए जाये। अर्जुन को कुछ अटपटा लगा था आखिर कौरवों की मदद क्यों की जाये! तब युधिष्ठिर कहते हैं, आज भले ही हम आपस में झगड़ रहे हैं और पांच और सौ हैं, पर बाहर वालों के लिए हम एक सौ पांच हैं! आज इस प्रसंग की याद दिला कर यह कहा जा रहा है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को देश के बाहर भारत सरकार की आलोचना नहीं करनी चाहिए। असल में पिछले दिनों राहुल गांधी को इंग्लैंड के कैंब्रिज विश्वविद्यालय में आमंत्रित किया गया था जहां उन्होंने भारत की वर्तमान स्थिति के बारे में भाषण दिया था। फिर ब्रिटिश संसद में भी उन्हें बुलाया गया और वहां भी उन्होंने कुल मिलाकर वही सब दुहराया जो कैंब्रिज विश्वविद्यालय में कहा था।

वही सब अर्थात भारत में जनतंत्र के लिए उत्पन्न खतरों की गाथा। देखा जाये तो इस गाथा में ऐसा कुछ नया नहीं था जो राहुल गांधी ने देश की संसद में, और देश की सड़कों पर नहीं कहा है। अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी राहुल कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक इस बात को दुहराते रहे हैं कि देश की सरकार जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों को अंगूठा दिखा रही है, विपक्ष को अपनी बात कहने का मौका नहीं दिया जा रहा, देश की स्वायत्त संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है आदि। यही सब उन्होंने ब्रिटेन-यात्रा के दौरान भी कहा है। फिर इस पर आपत्ति क्यों? भारतीय जनता पार्टी की सरकार और पार्टी, दोनों को आपत्ति यह है कि विदेश में जाकर इस तरह की आलोचना देशहित में नहीं है! इसके जवाब में कांग्रेस पार्टी की ओर से दो बातें कही गयी हैं- एक तो यह कि सरकार देश नहीं होती, सरकार की आलोचना देश की बुराई करना नहीं होती और दूसरी यह कि यदि ऐसा करना अपराध है तो हमारे प्रधानमंत्री स्वयं अमेरिका, जर्मनी जैसे देशों में जाकर पिछली सरकारों और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बारे में प्रतिकूल भी कहते रहे हैं।

यही नहीं, प्रधानमंत्री पिछले आठ-दस साल में हर मंच पर यह कहते रहे हैं कि 75 साल में देश में कोई विकास नहीं हुआ, देश का असली विकास वर्ष 2014 से ही शुरू हुआ है। यह सच है कि राहुल गांधी ने देश के बाहर जाकर देश की सरकार के काम की, काम के तरीकों की, आलोचना की है, लेकिन

सच यह भी है कि ऐसी ही बातें पिछली सरकारों के बारे में प्रधानमंत्री मोदी भी कहते रहे हैं। यदि कुछ गलत कहा गया है, तो ऐसा दोनों ने किया है। पर सच तो यह है कि यह अपराध नहीं है - खासकर इक्कीसवीं सदी में जबकि दुनिया इतनी छोटी हो गयी है कि देशों के बीच दीवारों का कोई मतलब नहीं रह गया है। ये दीवारें इतनी पतली हैं कि कमरों के भीतर बैठकर कुछ कहने और कमरों के बाहर उसी बात को दुहराने में कोई अंतर नहीं है। बहरहाल, कैंब्रिज में, और ब्रिटेन की संसद में भी राहुल गांधी ने जो कुछ कहा है, उसे गलत न मानते हुए भी इतना तो कहा जा सकता है कि इस मौके पर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से कुछ बेहतर कर सकते थे। उदाहरण के लिए यह मौका था जब वे देश की वर्तमान सरकार की रीति-नीति की खामियों को सामने लाने के साथ-साथ अपनी पार्टी कांग्रेस की ओर से एक वैकल्पिक व्यवस्था सामने रखते। बताते कि उनकी पार्टी यदि फिर से सत्ता में आती है तो देश की बेहतरी के लिए किन नीतियों के अनुसार काम करेंगे। राजनीतिक दलों का दायित्व बनता है कि वे विरोधी की रीति-नीति की आलोचना करें, उसकी कमियां उजागर करें। पर जनतांत्रिक मूल्यों का तकाजा है कि आलोचना के साथ-साथ विकल्प भी सुझाए जायें, मतदाता को बताया जाये कि उसे क्यों 'ठगा' जा रहा है और कैसे उसे नुकसान से बचाया जा सकता है। राहुल गांधी ने ब्रिटेन में अपने भाषणों में यह सब नहीं कहा। पर जो कहा वह गलत नहीं था। भाजपा के कार्यकर्ता भले ही उन्हें राजनीतिक परिपक्वता में कम आंकते रहें और यह कोशिश करते रहें कि मतदाता की दृष्टि में उनकी छवि धूमिल हो, पर आज हकीकत यह है कि प्रधानमंत्री मोदी के बाद लोकप्रियता के पायदान पर राहुल गांधी ही खड़े हैं। सत्तारूढ़ दल की की रीति-नीति चलाने वाले भी इस बात को समझ रहे हैं। इसलिए उनका हर संभव प्रयास रहता है कि वे राहुल गांधी को कमतर दिखायें।

वैसे उनका अधिकार है ऐसा करने का, पर प्रतिस्पर्धी को कमतर दिखाने के इस खेल में जनतंत्र के बुनियादी उसूलों को नहीं नकारा जाना चाहिए। एक मजबूत सरकार जनतंत्र की जरूरत है, पर उतना ही जरूरी विपक्ष का मजबूत होना भी है। विडंबना है कि, आज देश में इस शक्ति-संतुलन का अभाव है। राजनीतिक समीकरण भी कुछ ऐसे हैं कि स्थितियां आसानी से बदलती नहीं दिख रहीं। पर जनतंत्र की सफलता का तकाजा है कि स्थितियां बदलें।

रग-रग में समाया था हरियाणवी अनुराग

सत्यवीर नाहड़िया

बृहस्पतिवार को जैसे ही एनएसडी से उनके बैचमेट रहे फिल्म अभिनेता अनुपम खेर ने अपने ट्विटर हैंडल से उनके निधन की जानकारी दी, उनके प्रशंसकों, गांव व परिवार के लोगों को गहरा दुख हुआ। इसी बीच मीडियाकर्मियों का उनकी जन्मस्थली धनौंदा गांव पहुंचने का सिलसिला भी दिनभर जारी रहा।

तमाम छोटी-बड़ी हिंदी फिल्मों से जुड़े रहे निर्माता-निर्देशक, पटकथा लेखक-अभिनेता सतीश कौशिक के जीवन के इतने आयाम हैं कि एक व्यक्ति में उनका होना किसी अचरज से कम नहीं है। यही वजह है कि उनके असामयिक निधन से सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, पूरा देश स्तब्ध है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा प्रदेश, खासकर अहीरवाल क्षेत्र तथा विशेष रूप से उनके पैतृक गांव के लिये तो यह बड़ी क्षति है। हालांकि प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अलावा सोशल मीडिया पर भी उनकी जन्मभूमि महेंद्रगढ़ जिले के गांव धनौंदा की विशेष चर्चा नहीं हुई। लेकिन इस छोटे से गांव से निकलकर बॉलीवुड में पैर जमाना कोई आसान नहीं था। इसे उनके संघर्ष की गाथा का प्रमाण ही कहा जा सकता है। बृहस्पतिवार को जैसे ही एनएसडी से उनके बैचमेट रहे फिल्म अभिनेता अनुपम खेर ने अपने ट्विटर हैंडल से उनके निधन की जानकारी दी, उनके प्रशंसकों, गांव व परिवार के लोगों को गहरा दुख हुआ। इसी बीच मीडियाकर्मियों का उनकी जन्मस्थली धनौंदा गांव पहुंचने का सिलसिला भी दिनभर जारी रहा। जहां उनके चचेरे भाई के परिवार के सदस्य उनके जीवन से जुड़ी दुर्लभ जानकारियां मीडियाकर्मियों को देते नजर आये।

उल्लेखनीय है कि 13 अप्रैल, 1956 को हरियाणा प्रदेश के महेंद्रगढ़ जिले में स्थित धनौंदा गांव में सतीश कौशिक का जन्म हुआ। एक सामान्य परिवार में पिता बनवारी लाल कौशिक तथा माता बसंती के घर जन्मे बालक सतीश की प्राथमिक शिक्षा गांव में हुई। कालांतर साल 1972 में किरोड़ीमल कॉलेज दिल्ली से स्नातक डिग्री हासिल करने तथा फिर एनएसडीसी में अपनी रंगमंचीय प्रतिभा को निखारने का अवसर मिला। बॉलीवुड में लंबे संघर्ष के बाद उन्हें मिस्टर इंडिया के कैलेंडर किरदार के रूप में पहली बार बड़ी पहचान मिली। फिल्म राम-लखन तथा साजन चले ससुराल आदि के लिये दो बार फिल्म फेयर अवार्ड से नवाजे गए सतीश कौशिक ने निर्देशन, निर्माण, पटकथा लेखन के अलावा अभिनेता व हास्य अभिनेता के रूप में बहुआयामी भूमिका निभाई।

मां-बोली हरियाणवी के प्रति उनका अपनापन व विशेष लगाव छोरियां छोरों से कम नहीं जैसी हरियाणवी फिल्म दे गया। उनके गांववासियों को आज भी वह दृश्य याद है, जब उन्होंने अपने गांव के एक स्टेडियम में इस फिल्म को विशेष प्रबंधन के साथ दिन में ग्रामीणों को दिखाया था। इतना ही नहीं, इससे पहले उन्होंने सरकार से शहीद महेशपाल स्टेडियम के लिए करीब डेढ़ करोड़ की ग्रांट भी दिलवाई थी। गांव के ठाकुर अतरलाल, सूबेदार सूरत सिंह, राजेंद्र नंबरदार, सतपाल आदि के जेहन में उनके साथ बिताये लम्हों की अनमोल स्मृतियां आज भी अंकित हैं। उनके चचेरे भाई सुभाष बताते हैं कि वे संघर्षों में तपकर कुंदन बने थे। अहीरवाल के कला, साहित्य, संस्कृति तथा सिनेमा से जुड़े अनेक रचनाकारों तथा कलाकारों की स्मृति में उनसे जुड़े अनेक संस्मरण आज भी जिंदा हैं। अनेक हिंदी तथा हरियाणवी फिल्मों में विभिन्न भूमिकाएं निभा चुके अभिनेता विजय भाटोटिया आज भी उनके निर्देशन में हमारी बहू मालिनी अय्यरनामक सीरियल की शूटिंग के वक्त की कई बातें नहीं भूले हैं। हरियाणवी फिल्मों में काम कर चुके वरिष्ठ रंगकर्मी गोपाल शर्मा की मानें तो एक कार्यक्रम में मंच पर सवाल-जवाब की स्मृतियां आज भी उनके मानस पटल पर ताजा हैं। पीहर की चुंदड़ी सहित अनेक हरियाणवी फिल्मों तथा थिएटर से जुड़े कलाकार ऋषि सिंहल आदि को शहर के बीएमजी मॉल में फिल्म प्रमोशन के लिए पधारे सतीश कौशिक के सात हास-परिहास याद है। अभिनेता-अधिवक्ता रणजीत सिंह आज भी यह नहीं भूलते कि हरियाणवी फिल्म माटी करे पुकार के के निर्माण के सिलसिले में जब वे मुंबई में उनसे मिलने गए तो उनके व्यवहार व माटी के प्रेम की अभिव्यक्ति ने उन्हें नई ऊर्जा व संबल दिया। हरियाणवी संस्कृति के प्रति गहरे लगाव के तमाम किस्से हरियाणा के लोगों की जुबान पर हैं। गत वर्ष नवंबर माह में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रत्नावली महोत्सव में हरियाणवी माटी से लगाव की मिसाल तब नजर आई जब वे अपनी एक फिल्म की शूटिंग बीच में छोड़कर आए।

साहित्य, कला, संस्कृति एवं शिक्षा के मंचों पर सक्रिय नरेश कौशिक बताते हैं कि गांव से उन्हें अथाह प्रेम था, यहां उनका आना-जाना लगा रहता था। गांव के खेल आयोजनों में पधारने वाले सतीश कौशिक के फिल्मी किरदारों के अलावा निजी जीवन में हास परिहास व रौब पर ठेठ अहीरवाटी बोली में टिप्पणी करते हुए एक बुजुर्ग कहते हैं- बनवारी को छोहरो... थो टोरो हे न्यारो..! सतीश कौशिक ने बॉलीवुड की चमक-दमक में रहने के बावजूद हरियाणवी सिनेमा से लगाव बनाये रखा। एक बातचीत में उन्होंने कहा था कि आने वाला समय हरियाणवी सिनेमा का है। हरियाणवी बोली की धमक बॉलीवुड तक है। इस दिशा में उन्होंने सार्थक प्रयास किये भी हैं।

बच्चों को इन चीजों से रखें दूर, नहीं होगी एलर्जी

मूंगफली

मूंगफली एक अत्यधिक एलर्जेनिक फूड आइटम है और कुछ बच्चों में एनाफिलेक्सिस सहित गंभीर प्रतिक्रिया पैदा कर सकता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि मूंगफली के उत्पाद, जैसे मूंगफली का मक्खन और मूंगफली का तेल भी एलर्जी का कारण बन सकते हैं।

ट्री नट्स

ट्री नट्स, जैसे बादाम, काजू और अखरोट, बच्चों के लिए आम एलर्जी का कारण हैं। लक्षणों में त्वचा पर चकते, पाचन संबंधी समस्याएं और सांस लेने में कठिनाई शामिल हो सकते हैं।

यह समझना आवश्यक है कि कौन से खाद्य पदार्थ बच्चों में एलर्जी पैदा कर सकते हैं।

बच्चों में फूड एलर्जी एक महत्वपूर्ण और गंभीर स्वास्थ्य चिंता का विषय है, क्योंकि ऐसे पदार्थ हल्के से लेकर जानलेवा तक लक्षण पैदा कर सकते हैं। इन खतरनाक लक्षणों को रोकने में मदद करने के लिए यह समझना आवश्यक है कि कौन से खाद्य पदार्थ बच्चों में एलर्जी पैदा कर सकते हैं। जिससे कि आप इनसे समय रहते सावधानियां बरत सकें। सोया बच्चों में एक और आम एलर्जेन है और त्वचा पर चकते, पाचन संबंधी समस्याएं और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण पैदा कर सकता है। सोया प्रोडक्ट्स जैसे टोफू और सोया मिल्क भी एलर्जी का कारण बन सकते हैं। गेहूं बच्चों में एक आम एलर्जेन है और त्वचा पर चकते, पाचन संबंधी समस्याएं और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण पैदा कर सकता है। गेहूं से बने उत्पाद, जैसे ब्रेड और पास्ता भी इनमें एलर्जी का कारण बन सकते हैं।

मछली

मछली कुछ बच्चों में एलर्जी पैदा कर सकती है, जिससे त्वचा पर चकते, पाचन संबंधी समस्याएं और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण हो सकते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि झींगा और लॉबस्टर जैसे समुद्री भोजन भी एलर्जी का कारण बन सकते हैं।

गाय का दूध

गाय का दूध बच्चों के लिए सबसे आम फूड एलर्जी में से एक है। लक्षणों में त्वचा पर चकते, पाचन संबंधी समस्याएं और यहां तक कि एनाफिलेक्सिस (एक गंभीर, संभावित रूप से जानलेवा एलर्जी प्रतिक्रिया) शामिल हो सकते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पनीर और आइसक्रीम जैसे डेयरी उत्पाद भी एलर्जी पैदा कर सकते हैं।

अंडे बच्चों के लिए एक और आम एलर्जेन हैं, खासकर अंडे का सफेद भाग। लक्षणों में त्वचा पर चकते, पाचन संबंधी समस्याएं और सांस लेने में कठिनाई शामिल हो सकते हैं। इन लक्षणों को रोकने और प्रबंधित करने में मदद करने के लिए बच्चों में शुरुआती खाद्य एलर्जी की पहचान करना आवश्यक है। अगर आपको संदेह है कि आपके बच्चे को फूड एलर्जी हो सकती है, तो उचित परीक्षण और निदान के लिए बाल रोग विशेषज्ञ या एलर्जी विशेषज्ञ से परामर्श जरूर लें।

हंसना मना है

पत्नी – खिड़की पर परदे लगवा दो, नया पड़ोसी मुझे देखने की कोशिश करता है! पति – एक बार उसे ठीक से देख लेने दो, वो खुद ही परदे लगवा लेगा...!!! फिर हुई पतिदेव की धुनाई...

पत्नी – अगर मैं खो गई तो तुम क्या करोगे... पति – अखबार में इश्तेहार दूंगा..! पत्नी (खुश होकर) – तुम कितने अच्छे हो, क्या लिखोगे... पति – जिसको मिले उसकी...!!!

चिंटू – यार तूने इतने छोटे-छोटे बाल क्यों कटवाए... पप्पू – नाई के पास तीन रुपये खुल्ले नहीं थे, तो मैं बोला– तीन रुपये की और काट दे...!!!

पति – जब हमारी नई-नई शादी हुई थी, तब तुम कितना तहजीब से बोलती थी... और अब... पत्नी – पहले मैं रामायण देखती थी और अब क्राइम पेट्रोल देखती हूं...!!!

पतिदेव – बाबाजी, सुखी वैवाहिक जीवन के लिए मंत्र बताइए...! बाबाजी – बेटा जब तक मुंह बंद और पर्स खुला रहेगा, कृपा आती रहेगी...!!!

मां– किससे बात कर रहा है, इतनी रात को... बेटा – कियारा की मां से... मां – अब ये कियारा कौन है... बेटा – तुम्हारी होने वाली पोती...!!! फिर मां ने रात में ही उतारा बेटे के इश्क का भूत...

कहानी | सांप की सवारी करने वाला मेंढक

वरुण पर्वत के पास बसे एक राज्य में एक बड़ा सा सांप मंदविष भी रहता था। बूढ़ा होने की वजह से वह आसानी से अपना शिकार ढूंढ नहीं पाता था। एक दिन वो मेंढकों से भरे हुए एक तालाब के पास पहुंचा। वहां वह दुखी सा होकर एक पत्थर बैठ गया। एक मेंढक ने पूछा, चाचा, क्या बात है, आज आप खाने की तलाश नहीं कर रहे हैं। अपने लिए भोजन नहीं जुटाएंगे। सांप ने रोनी सी सूरत बनाकर कहा, मैं आज भोजन की तलाश में किसी मेंढक के पीछे-पीछे जा रहा था। अचानक से मेंढक ब्राह्मणों के झुंड में जाकर छुप गया। मेंढक को भोजन बनाने के चक्कर में एक ब्राह्मण की बेटी को काट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इससे नाराज होकर ब्राह्मण ने मुझे श्राप दे दिया। उन्होंने कहा कि तुझे अपना पेट भरने के लिए मेंढकों की सवारी बनना पड़ेगा। इसी वजह से मैं इस तालाब के पास आया हूं। यह बात सुनते ही मेंढक ने अपने राजा को सारी बातें बताई। राजा कहानी सुनकर हैरान हुआ, पहले तो उसे बिलकुल भी यकीन नहीं हुआ, लेकिन कुछ देर सोच विचार करने के बाद मेंढकों का राजा जलपाक, तालाब से बाहर निकलकर सांप के फन पर जाकर बैठ गया। राजा को ऐसा करते हुए देखकर अन्य मेंढकों ने भी ऐसा ही किया। सांप समझ गया था कि मेंढक अभी मेरी परीक्षा ले रहे हैं। सांप भी उन्हें घुमा रहा था। इसके बाद मेंढकों के राजा ने कहा, जितना मजा मुझे सांप की सवारी करके आया, उतना मुझे आज तक किसी की सवारी करके नहीं आया। मेंढकों का भरोसा जीतने के बाद अब धीरे-धीरे सांप रोज मेंढकों की सवारी बनने लगा। कुछ दिन बाद सांप ने अपने चलने की गति थोड़ी धीमी कर दी। मेंढकों के राजा जलपाक ने पूछा, हे! सर्प तुम्हारी चाल इतनी धीमी क्यों है? सांप ने कहा, एक तो मैं बूढ़ा हूं और ब्राह्मण के श्राप की वजह से बहुत दिनों से भूखा भी हूं। इसी वजह से मेरी गति कम हो गई है। राजा ने कहा तुम छोटे-छोटे मेंढक को खा लो। यह सुनकर मन ही मन सांप बहुत प्रसन्न हुआ। उसने कहा, राजन मुझे ब्राह्मण का श्राप है। मैं मेंढक खा नहीं सकता हूं, लेकिन अगर आप कहते हैं तो मैं खा लेता हूं। ऐसा करते-करते वह रोज छोटे-छोटे मेंढक खाने लगा और वह तंदुरुस्त हो गया। मेंढक सांप की चाल अब तक नहीं समझ पाए थे। एक दिन सांप ने मेंढक के राजा जलपाक को भी खा लिया और तालाब में रहने वाले सारे मेंढकों के वंश का नाश कर दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष – किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

वृषभ – स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें।

मिथुन – घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

कर्क – लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

सिंह – रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मनपसंद भोजन की प्राप्ति संभव है।

कन्या – बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा।

तुला – सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक – उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु – यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे।

मकर – अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग उभर सकता है। सेहत को प्राथमिकता दें। लेन-देन में जल्दबाजी से हानि होगी।

कुम्भ – मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

मीन – घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी।

बेटी ने शेयर किया सतीश कौशिक की भावुक फोटो

बॉलीवुड एक्टर और डायरेक्टर सतीश कौशिक 9 मार्च को पंचतत्व में विलीन हो गए। मुंबई के वर्सोवा श्मशान घाट पर उन्हें अंतिम विदाई दी गई। सतीश कौशिक के अंतिम संस्कार में बॉलीवुड के तमाम दिग्गज सितारे शामिल हुए थे। एक्टर के निधन के बाद बेटी वंशिका कौशिक ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट कर सबकी आंखे नम कर दी हैं। तस्वीर में वह पिता सतीश कौशिक के साथ नजर आ रही हैं।

वंशिका कौशिक ने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पुरानी फोटो को साझा किया है, जिसमें वह पिता सतीश कौशिक के साथ नजर आ रही हैं। फोटो में सतीश कौशिक को बेटी वंशिका ने हग किया हुआ है। दोनों बहुत खुश नजर आ रहे हैं। दोनों की इस फोटो को देखकर फैंस काफी इमोशनल हो गए। कमेंट सेक्शन में यूजर्स सतीश कौशिक को लगातार श्रद्धांजलि दे रहे हैं। फिल्म मेकर और स्क्रीनराइटर रूमी जाफरी ने कहा कि सतीश और मैं 30 साल से ज्यादा समय से दोस्त थे। ये एकायक जाना बहुत दर्द देने वाला है। ऐसा नहीं था कि वह अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रख रहे थे। वह समय पर खा रहे थे और सही खाना खाते थे। वह सुबह की सैर पर जाते थे। वह अपनी बेटी को लाइफ में सैटल होते हुए देखने के लिए लंबा जीना चाहते थे पर भगवान की कुछ और ही प्लानिंग थी।

पॉपुलर रहे सतीश कौशिक के ये किरदार

बता दें कि सतीश कौशिक ने मिस्टर इंडिया में कैलेंडर, दीवाना मस्ताना में पप्पू पेजर, राम लखन में काशीराम, मिस्टर एंड मिसेस खिलाड़ी में चंदा मामा और हसीना मान जाएगी में कुंज बिहारीलाल जैसे किरदारों से खूब नाम कमाया था। हर कोई उनके काम का दीवाना था।

बॉलीवुड | धोखाधड़ी

साइबर फ्रॉड की शिकार हुईं एक्ट्रेस नगमा

बॉलीवुड से इन दिनों साइबर फ्रॉड की खबरें खूब सामने आ रही हैं। एक ओर जहां बीते दिनों अभिषेक बच्चन, आलिया भट्ट और कई क्रिकेटर्स इसका शिकार बने थे। तो वहीं अब इस केस का ताजा नाम एक्ट्रेस और पॉलिटिशियन नगमा है। दरअसल नगमा का कहना है कि उनके फोन पर एक मैसेज आया था, जिसके लिंक पर क्लिक करते ही उनको एक लाख रुपये की चपत लग गई। धोखाधड़ी का खुलासा करते हुए नगमा ने बताया कि उनके फोन पर बैंक के नंबर जैसा ही एक नंबर से मैसेज आया था, जिसके लिंक पर क्लिक करते ही तुरंत बाद एक शख्स का उनके पास फोन आया। इस दौरान शख्स ने खुद को बैंक का कर्मचारी बताया और कहा कि वो KYC के लिए उनकी मदद करेगा। एक्ट्रेस ने बताया की फ्रॉड करने वाला पहले ही उनके फोन का रिमोट एक्सेस ले चुका था। नगमा का कहना है कि उन्होंने ठग को अपने बैंक से रिलेटेड कोई भी डिटेल शेयर नहीं की थी। वहीं धोखाधड़ी करने वाले शख्स ने उनके बैंकिंग में लॉग इन करने के बाद उनका बेनिफिशियरी अकाउंट बनाया और एक लाख रुपये बैंक में ट्रांसफर कर दिए। इस बीच उन्हें कई बार OTP भी रिसीव हुए। बता दें कि इस पूरे मामले में एक्ट्रेस ने लगभग 99,998 रुपये गंवाए। बीते कुछ दिनों से कई सारे लोग इस तरह के साइबर फ्रॉड का शिकार बन रहे हैं। वहीं इनमें से लगभग सभी लोग एक ही निजी बैंक के कस्टमर बताए जा रहे हैं। ऐसे मामले को लेकर पुलिस ने लोगों से सावधानी बरतने को कहा है।

उर्फी ने रोहित शेट्टी के शो को कहा 'नो'

सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद अपने हॉट एंड बोल्ड फैशन सेंस की वजह से लाइमलाइट में रहती हैं। एक्ट्रेस अपने अजब-गजब ड्रेसिंग स्टाइल की वजह से खूब ट्रोल भी की जाती हैं। काफी समय से खबर आ रही थी कि उर्फी रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 13' में दिखाई देंगी, पर अब कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस इस स्टंट शो का हिस्सा नहीं होंगी। उर्फी के फैंस उन्हें स्टंट करते नहीं देख पाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक्ट्रेस के करीबी ने बताया कि उर्फी की लंबे टाइम से खतरों के खिलाड़ी 13 की टीम के साथ बातचीत हो रही थी। उन्हें यह शो करने का काफी मन था, लेकिन बैडलक की वह इस शो का हिस्सा नहीं बन पाई हैं। उर्फी दूसरे बड़े प्रोजेक्ट के लिए किसी को पहले ही वादा कर चुकीं थी। वह खतरों के खिलाड़ी के ऑफर से पहले तय हो गया था, इसलिए उसे शो छोड़ना पड़ा।

अबू जानी संदीप खोसला के लिए की थी मॉडलिंग

बता दें कि उर्फी जावेद का करियर उड़ाने भर रहा है। वह हाल ही में एक साउथ मैगजीन के डिजिटल कवर पर डिजाइनर कपड़ों के साथ दिखाई दी थीं। कुछ दिन पहले उन्होंने डिजाइनर जोड़ी अबू जानी और संदीप खोसला के नए कलेक्शन के लिए मॉडलिंग भी थीं। इसकी तस्वीर शेयर करते हुए उर्फी ने लिखा था, अबू जानी संदीप खोसला द्वारा ड्रेस्ड किए जाने पर मैं थ्रिल हूं। वे जो करते हैं उसमें मास्टर्स हैं। हाल में ही एक्ट्रेस को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था। इस दौरान उर्फी रब स्टाइलिश डैनिम स्कर्ट और पिंक टॉप में नजर आईं। पैपराजी ने जब उर्फी से पोज देने को कहा तो वह बोली-मुझे जाने दो, देर हो रहा है। अब तो लोग सच में कहेंगे की मैं यहां पोज देने ही आती हूं।

बॉलीवुड | मसाला

इन पहाड़ियों में छिपा है बेशुमार खजाना, जिसने भी की खोजने की गलती नहीं लौटा वापस

आज हम आपको एक ऐसे स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जहां सोने का अकूत खजाना छिपा हुआ है लेकिन इस सोने की खोज में जो भी गया वह कभी वापस लौटकर नहीं आ पाया। दरअसल, हम बात कर रहे हैं अमेरिका के ऐरिजोना की सुपरस्टीशन पहाड़ियों के बारे में। जिनके बारे में कहा जाता है कि यहां अकूत सोना छिपा हुआ है। बताया जाता है कि यहां पर द लॉस्ट डचमैन गोल्ड माइन में सोने की खदाने हैं, लेकिन जो यहां गया वह वापस लौटकर नहीं आया। इस राज का आज तक नहीं पता चल पाया। ऐसा कहा जाता है कि ऐरिजोना की सुपरस्टीशन पहाड़ियों में छिपा सोना ही इसका रहस्य है। लेकिन कई लोग यहां सोने की तलाश में यहां गए और वहां जाकर भटक गए। उन्हें न तो कोई खजाना मिला और ना ही वह कभी वापस आए। बता दें कि इस इलाके में जिस्म जला देने वाली गर्मी और हाड़ जमा देने वाली सर्दी पड़ती है। इसीलिए यहां आने वाला कोई शख्स जिंदा नहीं बचता, लेकिन सोने की खोज में लोगों का वहां जाना जारी रहा तो प्रशासन को वहां जाने पर रोक लगानी पड़ी। बता दें कि ऐरिजोना की सुपरस्टीशन पहाड़ियों में खदान का खनन करना गैरकानूनी है। यहां अगर किसी को सोना मिलता भी है तो उसे सरकारी खजाने में जमा करना होता है। लेकिन इसके बावजूद कई लोग यहां सोना ढूंढने पहुंच जाते हैं और अपनी जान गंवा बैठते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई लोग एरिजोना की इन खतरनाक पहाड़ियों में सोने की खोज में गए, लेकिन कभी वापस लौटकर नहीं आए। बताया जाता है कि सोना खोजने गए लापता लोगों की बाद में पुलिस ने लाशें बरामद की थी। ऐसा कहा जाता है कि एरिजोना की खतरनाक पहाड़ियों में एक बार कोई खो गया तो वह वापस जिंदा लौटकर नहीं आ पाता। इसके अलावा यहां पड़ने वाली भीषण गर्मी और जाड़े के मौसम में जमा देने वाली ठंड पड़ती है। यहां की गर्मी और सर्दी बर्दाश्त करना लोगों के लिए मुश्किल होता है। ऐसे मौसम में अगर कोई इन पहाड़ियों में लापता हो गया, तो उसका बचना नामुमकिन हो जाता है। ऐरिजोना की पहाड़ियों में सोने की खोज के लिए जाने वाले लोगों की मौत की वजह से सरकार ने यहां जाने पर पाबंदी लगा दी। सोने के खजाना की खोज में कई लोग यहां अपनी जान गंवा बैठे। कुछ लोगों ने यहां सोने के टुकड़े जरूर पाए लेकिन खदान का अभी तक कोई पता नहीं चला।

अजब-गजब | दुनिया का इकलौता देश

यहां नहीं है एक भी मस्जिद और ना ही मिलती है बनाने की इजाजत

दुनिया में सबसे अधिक जनसख्या ईसाई धर्म के अनुयायियों की है। उसके बाद इस्लाम यानी मुस्लिम धर्म के मामने वाले लोग है। दुनिया के हर देश में आपको मुस्लिम धर्म के मामने वाले मिल जाएंगे। इसके साथ ही आप मुस्लिम बस्तियों में मस्जिदें भी देख सकते हैं यहां मुस्लिम धर्म के लोग पांच वक्त की नमाज अदा करने जाते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे देश के बारे में बताने जा रहे हैं जहां मुस्लिम तो रहते हैं लेकिन उनके नमाज अदा करने के लिए कोई मस्जिद नहीं है। यही नहीं इस देश में मस्जिद बनाने की इजाजत भी नहीं मिलती।

दरअसल, स्लोवाकिया दुनिया का एक मात्र ऐसा देश है जहां मुस्लिम होने के बावजूद मस्जिद नहीं है। बता दें कि यहां रहने वाले मुस्लिम या तो तुर्क हैं या फिर उगर। ये मुसलमान 17वीं सदी में यहां आकर बस गए थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2010 तक यहां मुसलमानों की आबादी सिर्फ पांच हजार के आसपास थी। यूरोपियन यूनियन की सदस्यता वाला ये देश सबसे आखिर में इसका सदस्य बना है। इस देश में मस्जिद बनाने को लेकर विवाद भी होता रहा है। साल 2000 में स्लोवाकिया की राजधानी में इस्लामिक सेंटर बनाने को लेकर भी विवाद हुआ था।

तब ब्रातिसिओवा के मेयर ने स्लोवाक इस्लामिक वक्फ फाउंडेशन के सभी प्रस्तावों को खारिज कर दिया था। साल 2015 में यूरोप के सामने शरणार्थियों का प्रवास एक बड़ा मुद्दा बना हुआ था। उस समय स्लोवाकिया ने 200 ईसाइयों को शरण दी, लेकिन मुस्लिम शरणार्थियों के आने पर रोक लगा दी। इस पर स्पष्टीकरण देते हुए स्लोवाकिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उनके यहां मुस्लिमों के इबादत की कोई जगह नहीं है, जिसके कारण मुस्लिमों को शरण देना देश में कई समस्याएं पैदा कर सकता है, हालांकि, इस फैसले का यूरोपीय यूनियन ने भी आलोचना की।

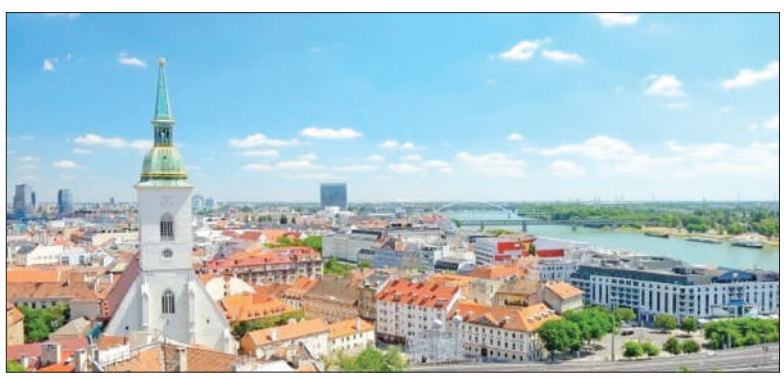

यही नहीं 30 नवंबर 2016 को स्लोवाकिया ने एक कानून पास कर इस्लाम को आधिकारिक धर्म का दर्जा देने पर रोक लगा दी। यह देश इस्लाम को एक धर्म के रूप में नहीं स्वीकार करता है। यही नहीं यूरोपीय यूनियन में स्लोवाकिया ही एकमात्र ऐसा अकेला देश है, जहां एक भी मस्जिद नहीं है। यही नहीं स्लोवाकिया में ध्वनि प्रदूषण से निपटने के लिए भी एक कड़ा कानून लागू है। इस देश में सुबह 10 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक आप किसी से खराब व्यवहार में बात नहीं कर सकते हैं और ना ही शोर मचा सकते हैं। ऐसे करने वालों से पुलिस सख्ती से निपटती है सात ही उनपर भारी भरकम जुर्माना लगाया जाता है।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नेता विरोधी दल अखिलेश यादव ने केंद्र व यूपी सरकार पर किए तीखे प्रहार

अब भाजपा सरकार से छुटकारा चाहती है जनता

» बोले-डराकर सत्ता में बने रहना चाहतें मोदी-योगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता विरोधी दल अखिलेश यादव ने केंद्र व यूपी सरकार पर तीखे प्रहार किए। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा सबको डराकर सत्ता में बने रहना चाहती है इसलिये आमजन अब इस तानाशाही सरकार से छुटकारा पाना चाहता है। उन्होंने कहा है कि भाजपा सत्ता का दुरूपयोग करके लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ कर रही है। देश में संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है।

सरकारी एजेंसियों ईडी, इन्कम टैक्स और सीबीआई का उपयोग सत्ता विरोधी विपक्ष को डराने-धमकाने और समाजवादी पार्टी को बदनाम करने के लिए किया जाने लगा है। बुलडोजर से डराना भाजपा का एजेण्डा है। भाजपा की इन्हीं कुनीतियों के चलते समाज का हर वर्ग परेशान है और अब वह भाजपा सरकार से छुटकारा पाना चाहता है। श्री यादव ने कहा कि आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर भाजपा का हारना तय है। समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव में विजयी होगी। जनता समाजवादी पार्टी के साथ है।

वह समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में युवा संगठनों के प्रमुख नेताओं की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, विधायक रविदास मेहरोत्रा तथा पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा भी उपस्थित थे।

शोक जताया

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता विरोधी दल श्री अखिलेश यादव ने सुल्तानपुर जनपद के वरिष्ठ समाजवादी नेता, समाजवादी युवजन सभा के पूर्व उपाध्यक्ष श्री आशुतोष गोस्वामी के निधन पर गहरा शोक जताते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। वहीं मऊ जनपद के वरिष्ठ समाजवादी नेता, समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के पूर्व प्रदेश सचिव नसीम अहमद खान (42वर्ष) के निधन पर गहरा शोक जताते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

इस सरकार को उखाड़ फेंके नौजवान

श्री यादव ने नौजवानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज नौजवानों के भविष्य के आगे अंधेरा है। रोटी-रोजगार की कोई व्यवस्था नहीं है। समाजवादी पार्टी उनके लिए आवाज उठाती रही है। महंगाई भाजपा के कारण है। किसान की आय दोगुनी कहां हुई? बिजली महंगी क्यों है? एक यूनिट बिजली का भाजपा राज में उत्पादन नहीं हुआ। रोजगार की दर 4.2 प्रतिशत है जो सच्चाई से दूर है। समाजवादी पार्टी से जुड़ा नौजवान संघर्षशील है। वह कर्मठ और निष्ठावान है। भाजपा गुमराह करने में किसी हद तक जा सकती है। भाजपा वैमनस्य, नफरत की राजनीति करती है। भाजपा का मुकाबला करने के लिए समाजवादी युवा उत्साह से भरे हुए हैं। आगामी निकाय चुनाव और 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा की धांधली रोकने में नौजवानों की सक्रिय भूमिका होगी। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने विकास का कोई काम नहीं किया। सिर्फ लम्बी-लम्बी डींगे मारने को ही भाजपा अपनी सफलता मानती है। असत्य बयानबाजी को अपना कौशल मानती है। उत्तर प्रदेश में निवेश के नाम पर राज्य की जनता से छल हो रहा है। समाजवादी पार्टी नेतृत्व को बदनाम करने में भाजपा दिन रात लगी रहती है। जातीय जनगणना सामाजिक न्याय के लिए जरूरी है। सभी को हक और सम्मान तभी मिल सकेगा जब जातीय गणना के आधार पर उनके साथ न्याय होगा। समाजवादी पार्टी सरकार बनाने का अवसर मिलने पर तीन माह में उत्तर प्रदेश में जातीय जनगणना करा देगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए नये महाभारत के युद्ध में समाजवादी पार्टी तैयार है। हम इस युद्ध में जनता के साथ हैं।

आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक करे सरकार : राजेन्द्र चौधरी

» कांग्रेस ने भी जानकारी देने की बात कही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा है कि हमें नहीं पता कि रिपोर्ट में क्या है। हमारी मांग है कि सरकार आयोग की रिपोर्ट को सार्वजनिक करे ताकि हम इसका अध्ययन कर सकें। उधर, कांग्रेस प्रवक्ता अशोक सिंह ने कहा यूपी कांग्रेस चाहती है कि सरकार रिपोर्ट को सार्वजनिक करे। कांग्रेस चुनाव के लिए तैयार है और हम जानना चाहते हैं कि रिपोर्ट में क्या कहा गया है।

यूपी कैबिनेट ने निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण के मुद्दे को लेकर गठित पांच सदस्यीय आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। साथ ही कहा है कि इसे सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत

किया जाएगा, जहां मामला विचाराधीन है। यूपी कैबिनेट बैठक के मंत्री एके शर्मा ने कहा आयोग की रिपोर्ट तीन महीने के भीतर प्रस्तुत की गई, जिसे कैबिनेट ने स्वीकार कर लिया है। इसे सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, जहां मामला विचाराधीन है। वहीं विपक्षी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने मांग की है कि आयोग द्वारा क्या सिफारिशें की गई हैं, इसके लिए रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए।

हज यात्रा के आवेदन 20 मार्च तक ऑनलाइन भरें : कौसर जहां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2023 में हज यात्रा पर जाने के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई है और अब फार्म 20 मार्च शाम 5 बजे तक भरे जा सकेंगे। यह जानकारी दिल्ली हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसरजहां ने यह जानकारी दी। भारत सरकार के अल्पसंख्यक मंत्रालय के निर्देशानुसार हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हज यात्रा के फॉर्म भरने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 20 मार्च 2023 कर दिया है। इस निर्णय से जो अन्य लोग हज यात्रा के इच्छुक थे, लेकिन वे कहीं कारणों से फॉर्म नहीं भर पाए थे, वे सभी अब फॉर्म भर कर हज यात्रा का आवेदन कर सकेंगे।

दिल्ली हज कमेटी की चेयरमैन कौसर जहां ने ट्वीट कर कहा है कि पहले 10 मार्च तक आवेदन किए जा सकते थे, लेकिन अब हज यात्रा के लिए ऑनलाइन तारीख बढ़ाकर 20

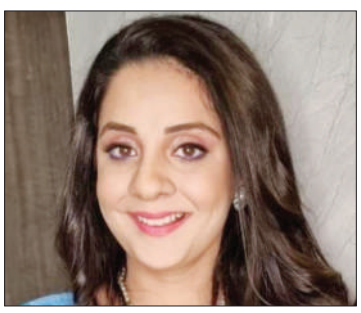

मार्च कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जो लोग हज 2023 के लिए आवेदन करना चाहते हैं, उनके पास मशीन पठनीय पासपोर्ट होना चाहिए। यह अनिवार्य है कि पासपोर्ट 20 मार्च 2023 या उससे पहले का जारी किया हो। इस पासपोर्ट की समाप्ति की तिथि 3 फरवरी 2024 या उसके बाद की होनी चाहिए।

पासपोर्ट के साथ आधार कार्ड, कोरोना वैक्सीन सर्टिफिकेट अनिवार्य

इसके अलावा आवेदन कर्ता को पासपोर्ट साइज का फोटो, आधार कार्ड, कोरोना वैक्सीन सर्टिफिकेट और ग्रुप लीडर के बैंक अकाउंट का कैंसल चेक होना अनिवार्य है। एक ग्रुप में अधिकतम 4 लोग आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा 45 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाएं 4 के ग्रुप व अकेले भी आवेदन कर सकती हैं।

12 वर्ष से कम आयु के बच्चों को हज यात्रा की अनुमति नहीं

नए हज नियमों के अनुसार 12 साल से कम उम्र के बच्चों को हज यात्रा की अनुमति नहीं होगी, जबकि अब 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग भी हज यात्रा पर जा सकेंगे। अप्रैल माह में हज ट्रेनिंग का कार्यक्रम आयोजित होगा। वहीं 21 मई से जून के अंत तक फ्लाइट भी शुरू हो जाएगी।

रोहित ने पूरे किए 17 हजार इंटरनेशनल रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा रहा है। तीसरे दिन का पहला सेशन जारी है। भारतीय बल्लेबाजों ने पहली पारी को 36 रन से आगे बढ़ाया और एक विकेट पर 120 रन बना लिए हैं। शुभमन गिल और चेतेश्वर पुजारा की जोड़ी क्रीज पर है। दोनों के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हो चुकी है।

वहीं भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 35 रन बनाकर आउट हुए। उनके इंटरनेशनल क्रिकेट में 17 हजार रन पूरे हो गए हैं। रोहित ऐसा करने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज हैं। उनसे पहले, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी और वीरेंद्र सहवाग ऐसा कर चुके हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया चौथा टेस्ट
पुजारा के कंगारुओं के खिलाफ 2 हजार रन

गिल ने करियर का 5वां अर्धशतक पूरा कर लिया है, जबकि पुजारा के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 हजार रन पूरे हो चुके हैं। वे ऐसा करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने।

कप्तान रोहित शर्मा 35 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मैथ्यू कुहनेमन ने मार्नस लाबुशेन के हाथों कैच कराया। रोहित ने गिल के साथ 126 बॉल पर 74 रन की ओपनिंग साझेदारी की। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 480 पर ऑलआउट हुई। 21वें ओवर की आखिरी बॉल पर रोहित शर्मा शॉर्ट एक्स्ट्रा कवर पर खड़े लाबुशेन को कैच दे बैठे। कुहनेमन को पहला विकेट मिला।

अश्विन के सबसे ज्यादा छह विकेट

इससे पहले मुकाबले का दूसरा दिन उस्मान ख्वाजा और कैमरून ग्रीन के नाम रहा। ख्वाजा 180 बनाकर आउट हुए, वहीं ग्रीन ने 114 रन बनाए। इनके दम पर ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 480 रन बनाए। भारत से रविचंद्रन अश्विन ने सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए। स्टंप्स तक भारत ने बगैर नुकसान के 36 रन बना लिए थे। तीसरे दिन कप्तान रोहित शर्मा 17 और शुभमन गिल 18 रन के निजी स्कोर पर नाबाद लौटे थे। पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम को मजबूत शुरुआत मिली। टीम ने पहले दिन चार विकेट पर 255 रन बना लिए हैं। ओपनर उस्मान ख्वाजा 104 और कैमरून ग्रीन 49 रन पर नाबाद लौटे। कप्तान स्टीव स्मिथ 38, ट्रेविस हेड 32, पीटर हैंड्सकम्ब 17 और मार्नस लाबुशेन 3 रन बनाकर आउट हुए। भारत के लिए मोहम्मद शमी ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन को 1-1 विकेट मिला।

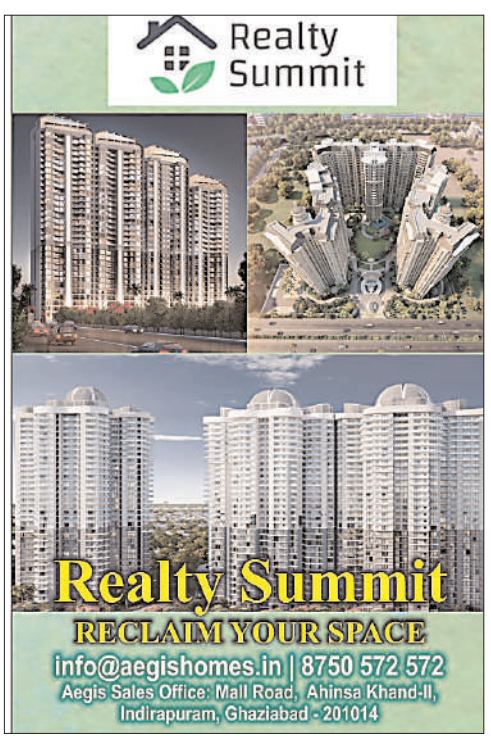

साहेब कष्ट दे सकते हैं, हौसले नहीं तोड़ सकते : मनीष सिसोदिया

बोले-अंग्रेजों ने भी स्वतंत्रता सेनानियों को कष्ट दिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मनीष सिसोदिया ने भी जेल से ही ट्वीट कर केंद्र सरकार व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमला किया है। सिसोदिया ने कहा, साहेब जेल में डालकर मुझे कष्ट पहुंचा सकते हो, मगर मेरे हौसले नहीं तोड़ सकते, कष्ट अंग्रेजों ने भी स्वतंत्रता सेनानियों को दिए, मगर उनके हौसले नहीं टूटे।

दिल्ली शराब नीति मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सात दिन के लिए ईडी के रिमांड पर भेजा है। वहीं सीबीआई की गिरफ्तार के खिलाफ सिसोदिया की जमानत याचिका पर अब 21 मार्च को सुनवाई होगी। इसको लेकर आम आदमी पार्टी लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर है। आप इसे राजनीति से प्रेरित कार्रवाई बता रही है.

इससे पहले शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय ने कोर्ट में दावा किया कि शराब नीति तैयार करने के पीछे साजिश थी। इसके नियम बदलकर कुछ खास लोगों को 6 प्रतिशत की जगह 12प्रतिशत लाभ पहुंचाया गया। मनीष सिसोदिया ने इससे जुड़े डिजिटल सबूत भी मिटा दिए। ईडी ने अपनी दलील में बताया कि वैसे तो शराब नीति का यह फैसला ग्रुप ऑफ मिनिस्टर का बताया गया है, लेकिन हकीकत यह है कि एक आदमी के अलावा इसकी जानकारी किसी और को थी ही नही, ईडी ने कोर्ट को बताया कि पूरे सिंडिकेट को विजय नायर नेतृत्व कर रहा था। विजय नायर से ही के कविता ने मुलाकात की थी, एजेंसी ने कहा कि शराब नीति केस में 7 और लोगों को नोटिस भेजा है, ताकि उन्हें सिसोदिया के आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जा सके।

मनीष सिसोदिया के वकील दयान कृष्णन ने कोर्ट में कहा कि यह शराब नीति उपराज्यपाल के पास गई, एलजी यानी केंद्र सरकार, उन्होंने 3 बातें पूछी थीं, लेकिन इनमें से एक भी प्रॉफिट मार्जिन या एलिजिबिलिटी से जुड़ी हुई नहीं थी। ईडी जल्दबाजी के बारे में बात कर रही है, मैं जल्दबाजी के ऐसे बहुत सारे उदाहरण दे सकता हूं। बता दें कि दिल्ली आबकारी नीति केस में सिसोदिया को 26 फरवरी को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

बेंगलुरु से लखनऊ आ रही फ्लाइट की हुई इमरजेंसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। बेंगलुरु से लखनऊ आने वाली AIX कनेक्ट फ्लाइट ने शनिवार को तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के 10 मिनट बाद केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग की। इसकी जानकारी एयर एशिया के अधिकारियों ने दी है।

मिली जानकारी के मुताबिक, फ्लाइट आई5-2472 ने शनिवार सुबह करीब 6.45 बजे उड़ान भरी थी और इसे लखनऊ में सुबह 9 बजे लैंड करना था। हालांकि, उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद इसे ग्राउंडेड कर दिया गया था। AIX Connect के प्रवक्ता ने कहा, AIX Connect पुष्टि करता है कि i5-2472, जिसे बेंगलुरु से लखनऊ के लिए संचालित किया जाना है, में एक मामूली तकनीकी समस्या हुई है और इस फ्लाइट को वापस बेंगलुरु भेजा गया। प्रवक्ता ने कहा, प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है और हम अन्य निर्धारित कार्यों पर प्रभाव को कम करने के लिए कदम उठा रहे हैं।

फोटो : 4पीएम

प्रेसवार्ता कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने की प्रेसवार्ता, कहा विभिन्न मुद्दों को लेकर 13 मार्च को करेंगे राजभवन का घेराव।

शहीदों के सम्मान को लेकर सियासी संग्राम

वीरांगना कविता सामोता बोलीं- मुख्यमंत्री मांगें माने या न माने मुलाकात तो करें

बीजेपी व कांग्रेस आमने-सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में शहीदों के अपमान का मामला तूल पकड़ता जा रही है। जहां बीजेपी ने अशोक गहलोत सरकार पर शाहीदों का अपमान करने का आरोप लगाकर पूरे राज्य में प्रदर्शन किया। जबकि कांग्रेस ने भाजपा पर शहीदों के नाम पर सियासत करनेका आरोप लगाया है। उधर नीमकाथाना की वीरांगना कविता सामोता ने कहा कांग्रेस सरकार ने वीरांगनाओं के साथ अमर्यादित व्यवहार किया वीरांगनाओं के दर्द को मैं अच्छी तरह समझ सकती हूं। एक सैनिक जब सीमा पर जाता है तो वह जाति नहीं देखता। वीरांगनाओं को अपना हक मांगने के लिए सड़कों पर आना पड़ रहा है। वीरांगनाओं की हक की लड़ाई लड़ने वाले सांसद किरोड़ी लाल मीणा और सांसद रंजीता कोली के साथ दुर्व्यवहार किया गया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत वीरांगनाओं की मांगें माने या न माने लेकिन एक बार मुलाकात तो करें। हम सभी वीरांगनाओं को हक दिलाकर रहेंगे।

सांसद किरोड़ी लाल मीणा के साथ पुलिस की मारपीट को लेकर बीजेपी के पूर्व सांसद रामकुमार वर्मा ने कहा बीजेपी हर अत्याचार के खिलाफ खड़ी रहती है। जब तक वीरांगनाओं को न्याय नहीं मिलेगा बीजेपी उनके साथ खड़ी है। खुद कांग्रेस के विधायक भी वीरांगनाओं को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। किसी सांसद के साथ ऐसी बर्बरता पहली बार हुई है। शांतिपूर्ण तरीके से वीरांगनाओं से मिलने सांसद जा रहे थे। कांग्रेस सरकार के इशारे पर पुलिस ने सांसदों के साथ मारपीट की है। किरोड़ी लाल मीणा के साथ पुलिस की मारपीट को लेकर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि कांग्रेस सरकार बुनियादी मुद्दों पर न बात सुनती है न समाधान करती है। वीरांगनाओं के मामले में न कांग्रेस सरकार ने रुचि ली न संज्ञान लिया। वीरांगनाओं की आवाज उठाने वाले बुजुर्ग सांसद किरोड़ी लाल मीणा को भी प्रताड़ित किया।सांसद रंजीता कोली जब वीरांगना से मिलने पहुंचीं तो उनको भी प्रताड़ित किया गया। मुख्यमंत्री के इशारे पर इस तरह की घटना को अंजाम दिया जा रहा है। ऐसा लगता है राजस्थान में आपातकाल की स्थिति हो गई है। दोनों सांसदों के साथ जिस तरह कि प्रताड़ना हुई है उसको लेकर आज बीजेपी कांग्रेस को घेर रही है। मुख्यमंत्री और उनके मंत्री नहीं चाहते हैं कि वीरांगनाओं की समस्याओं का समाधान हो।

अमेरिका का बड़ा बैंक सिलिकॉन वैली दिवालिया

नई दिल्ली (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। अमेरिका का बड़ा बैंक सिलिकॉन वैली दिवालिया हो गया है। सिलिकॉन वैली बैंक को इसके रेगुलेटर्स ने शटडाउन कर दिया गया है। बैंक के दिवालिया होने के बाद उसकी संपत्ति को सीज कर दिया गया है। फेडरल डिपाजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन की ओर से इसकी जानकारी दी गई है। बैंक के बंद होने के बाद एक बार फिर से अमेरिका बैंकिंग संकट के मुहाने पर आ खड़ा हुआ है। इस खबर के आने के बाद बैंकिंग सेक्टर के बेंचमार्क स्टॉक इंडेक्स में अचानक 8.1 प्रतिशत गिरावट आ गई। ये गिरावट पिछले तीन सालों में एक दिन में आई सबसे बड़ी गिरावट है। भारतीय शेयर बाजार पर भी इसका असर पड़ा है।

उमेश हत्याकांड में अतीक के करीबियों पर सरकार का कड़ा रुख बरकरार

सोमवार से फिर चलेगा बुलडोजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के मददगारों और शूटरों के अवैध निर्माणों पर एक बार फिर बुलडोजर चलाने की तैयारी कर ली गई है। इसमें माफिया गिरोह से जुड़े अपराधियों के 20 से अधिक अवैध निर्माण सूचीबद्ध किए गए हैं। अबकी बार किसके अवैध निर्माण से ध्वस्तीकरण की शुरुआत होगी, इस पर सोमवार तक निर्णय लिया जाएगा।

फिलहाल इस हत्याकांड के बाद माफिया के चार करीबियों के घरों पर बुलडोजर चलाया जा चुका है। माफिया अतीक अहमद के करीबियों और शूटरों के अवैध निर्माणों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई एक बार फिर आरंभ होगी। फरारी साबिर काट रहे शूटरों के अलावा उनके रिश्तेदारों, मददगारों की सूची तैयार की गई है। इसके लिए दर्जन भर से अधिक अवैध निर्माणों को रिश्तेदारों जिला प्रशासन और पीडीए की ओर से चिह्नित किया गया है। इसमें फरार शूटर गुड्डू मुस्लिम, गुलाम अहमद और साबिर के भी बिना मानचित्र पास कराए बने भवन शामिल हैं। इसके अलावा उस्मान के बाद इलेक्ट्रिक पार्ट की दुकान से निकलकर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाने वाले शूटर को गुलाम के रूप में पुलिस ने चिह्नित किया है।

20 से अधिक निर्माण सूचीबद्ध

शाइस्ता परवीन की अर्जी पर अब 13 को सुनवाई

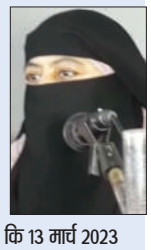

प्रयागराज जिला न्यायालय में शुक्रवार को शाइस्ता परवीन की अर्जी पर प्रभारी सीजेएम कोर्ट में सुनवाई हुई। अर्जी पर शाइस्ता परवीन के अधिवक्ता विजय मिश्रा ने थाना धूमनगंज की आख्या पर आपत्ति की। तर्क दिया कि इसमें स्पष्ट नहीं किया गया कि आवेदक के दोनों बेटों को किस बाल संरक्षण गृह में दाखिल किया गया है। हालांकि धूमनगंज थाना प्रभारी की ओर से 4 मार्च 2023 को पेश की गई स्पष्ट आख्या में कोर्ट को बताया गया था कि आवेदक के दोनों बेटों को नाबालिक मानते हुए 2 मार्च 2023 को बाल संरक्षण गृह में दाखिल कराया गया है। आख्या के बिंदु पर आवेदक के अधिवक्ता की ओर से आपत्ति को दृष्टिगत रखते हुए कोर्ट ने धूमनगंज थाना प्रभारी को आदेशित किया कि 13 मार्च 2023 को पुनःस्पष्ट आख्या पेश करें। यह आदेश प्रभारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुरेश कुमार दुबे ने दिया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।